%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 678

NO. 357

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 794; A. R. No. 279 of 1899

I. M. P. Vol. III, P. 1678, No. 107 )

Ś. 1297

(१।) स्वस्ति श्री । लक्ष्मी {वा}नाश्रित न दनस्सुमनसां वासः प्र-

(२।) सिद्धोन्नतिस्सद्वाक्ये द्विजपुंगर्वैः परिवृतस्स प्रात्थिता-

(३।) र्त्थप्रदः । सौजन्यैकपंलस्सहस्रनयनान दावहोरुप्रम स्स[त्यं]

(४।) कल्पमहीरुहो वरदनामात्य[ः] स्वयं भूतले ।। [१] शाका[व्दे]

(५।) मुनि-रत्न-भानुगणिते माने तपस्स[ज्ञि]के [शु]क्लेकादशि संयु[ते]

(६।) शनिदिने श्रीसि[ं]हशैलेशितुः । प्रादात् सप्रति[म] प्रदीपममल[त]-

(७।) त्संततावाप्त[ये] सो[य]म्मंत्रि शिखामणिस्सुपयसां पंचा-

(८।) शतं सत्[ग][वा]ं ।। [२] श्रीशकवरुषवुलु १२९७ गुनेंटि माघ शु-

(९।) क्ल एकादशियु शौरिवारमुनांडु<2> ओड्डवदि पेद्धनपेगड कोडु-

(१०।) कु वरदनपेगड तनकु अभीष्टात्थसिद्धिगा श्रीनारसि[ं]हनाथुनि सन्नि-

(११।) धिनि नित्यमुन्नु ओक अखंडदीपमु वेलुंगुटकुं वेट्टिन मो-

(१२।) दालु ५० ई दीपप्रतिम(मा) १ ग डमाडलु २०टिकि नालु कु[ं]-

<1. In the twelfth pillar in the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 2nd February, 1376 A. D., Saturday.>

%%p. 679

(१३।) चालु प्रसादमु ठावुपटि चंद्रुपडिनायुनि अ-

(१४।) ल्लुंडु चित्रुनकुं वेट्टेनु ई [त]ंडु ई दीपान मो-

(१५।) दालुं गाचि नेलपडि नेइ कुंचालु ७१न्नु तेचि श्री-

(१६।) वं(भ)ड(डा)राननु प्रवेशमु चेशि ई प्रसादमु आचंद्रार्क-

(१७।) मुग(गा) भुजि[पं]गल डु ई धर्म्म श्रीवै[ष्ण]व रक्ष श्री [।।]